

अमुक... १८ (अमुकपरोक्ष... योजिनीदशा... लक्ष्मीतोल)

ननानंनय्यादा॥ यदसअदयादमसा॥ ननानंनय्यादा॥ **थितराति**॥ अदाथ
॥ **क**७७ हयादृष्टिइतसा॥ जसुर॥ **वृ**७७ काथास॥ ७३ रु७७ हनसा॥ खन
सा॥ चतत्रासिइतसा॥ ननानंनय्यादा॥ **सि**७७ त्रासिइतसा॥ ताविय॥ **द्वि**७७ स७७ त्रासिइ
तसा॥ गामूमातेकंअयादा॥ **क**७७ हयादृष्टिइतसा॥ नायवानसा॥ मरिदरुत॥
यू७७ वदइतसा॥ विस्यख॥ **द**७७ खनसा॥ ७३ वनसा॥ तदवमुत्रय्यादा॥ वनरुअदा
यातारुदय्यादा॥ **२१८**॥ थततग्नस॥ त्रागायादनसा॥ त्राणिमूकि॥ वमुमतद॥
१०३११२१०॥ थततग्नस॥ विपतिरुत॥ तदवमुतदसहि॥ **य**७७ तमावा॥ **थि**७७ त्रजन
वाद॥ **द्वि**७७ स७७ मव॥ **१**७७ वक्रुनि॥ **२**७७ त्रागायासवक॥ **३**७७ वेस॥ **४**७७ द॥ **५**७७ खराव॥ **६**७७ ल्यास
मिसायाकायइयंरु॥ **७**७७ मासइयंरु॥ **८**७७ सवक॥ **९**७७ ददाकह॥ **१०**७७ वेसकाति॥ **११**७७ मखकाति॥
यदुद॥ १८८॥ ददय॥ १९८॥ १०॥ उदय॥ १९॥ मिदय॥ १०॥ वेदुद॥ १८८॥

ASHA ARCHIVES 3512

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
म विष्णुः शक्तिः उग्रः
शिवः शक्तिः शक्तिः शक्तिः
शक्तिः शक्तिः शक्तिः शक्तिः
शक्तिः शक्तिः शक्तिः शक्तिः

सप्तमः ॥

मं विविधमंत्र इत्यादि
 वि उर्ध्वं रागा इत्यादि
 ध कायमवादयुक्तधनगारु
 उ इतस्तजनेमनः नृगतस्तजानि इत्यादि
 र मंगत इत्यादि नाना रोगादयः
 उ स्वकोगारुयदयः हांनि
 सि इकाशं यातसीति प्रथमः
 त विक्कतिर्धं इह स्व इतस्तं तदर्थं रुगतयितुं रुग्णि गारु मन्त्र
 न रुयः यः विनाश इत्यादि ॥ ॐ नमो भगवते ॥

श्रीगणेशाय नमः

धर्मान्तरयश्चावधर्मवतनाकार्यसिद्धिः ॥ **मै॥ वि॥** कदाचित् त्रागस्वकर
तातुसनियज्ञनतारु ॥ **मै॥ ध॥** मां न्यत्रारुवधूसमागमश्यावे ॥ **मै॥ रा॥**
थर्वैरविताधशुक्लिसिवासिरुमितारु ॥ **मै॥ रु॥** विशाज्जर्थयनरुकुडुम
तारु ॥ **मै॥ डा॥** रुमिधनकलिहानि ॥ **मै॥ सि॥** नानासुरययुजतारु रुमितारुका
र्यसिद्धिः ॥ **मै॥ सै॥** यीतज्जमितारुयविवादं **तिमंङ्गतादसा॥** ॥ **वि॥** कानय
यावत्संकायरुमनश्याव ॥ **वि॥ धं॥** धनधानजर्थयुजतारुसुरयश्चाव ॥
वि॥ रा॥ धनकयदसत्यागमममन ॥ **वि॥ रु॥** स्नानकिलिमंनुवायात्रधनत
रु ॥ **वि॥ डा॥** यासायनिदविघ्नशुद्धवैततारुय ॥ **वि॥ सि॥** वसुधनज्जर्तकात
तारुकासस्तासुकश्याव ॥ **वि॥ सै॥** कककक्यामिवितायसुतारुय ॥
वि॥ मै॥ ज्युवृद्धिविविधव्यामिकानययव ॥ **तिरिगतादसा॥** ॥ **धं॥** गनजन

सां. धनराजगारु. नृपसुवनसाराजगुयीव॥ ॥धं॥३॥ ल्काननास. ध. वं१ विना ध. ३
याव॥ ॥धं॥४॥ मंगत. साराज. सुतमि. सु. सु. नृप. नि. सु. मि. तारु॥ ॥धं॥३॥ व. ३
विशग. उल्या. क. क. द. द. य. क. टि. सु. त. ध. न. ना. स॥ ॥धं॥४॥ सि॥ सु. त. मि. सु. ग. ह. ह. सु. मि.
तारु॥ ॥धं॥४॥ स॥ यं. ध. रु. य. वो. त. रु. त. रु. य. क. त. यि. दा॥ ॥धं॥४॥ म॥ मंगत. या. या. त. सि.
हि. मा. न॥ ॥धं॥४॥ यि॥ नृ. प. न. हा. नि. सि. त. सु. द. द. य. त. ग. यि. दा॥ ॥०॥ ति॥ धं॥ न्या. द. सा॥ ॥
॥३॥ नृ. ग. त. म. छि. नि. अ. भा. रु. इ. य. वृ. व. रु. य. ॥३॥ सु. त॥ ॥३॥ रु॥ वि. द. सु. ग. म. न. इ.
य. दा॥ ॥३॥३॥ क. त. सु. त. ध. न. हा. नि. यि. दा॥ ॥३॥ सि॥ वि. व. क. यि. शा. रु. त. ग. ना. सि.
का॥ ॥३॥४॥ स॥ म. त. न. सु. क. भा. रु. ता. रु. यो. त. रु. य॥ ॥३॥४॥ म॥ ता. रु. सु. व. क. ग. ह. सु.
न. म. न. म. इ॥ ॥३॥ यि॥ रा. त. सु. त. कि. सि. सु. त. म. स. या. द्यु. व. न. रु. य॥ ॥३॥४॥
॥३॥ ति. ध. न. रा. ग. वे. ति. हा. नि॥ ॥३॥ रु॥ रु. य. मं. इ. ल. ज. थ. म्. प्र. ला. ग॥ ॥३॥३॥ वि.

०० ति. ना. म. नी. द. सा

॥ रा ॥ ग ॥ द ॥ वे ॥ हा ॥ नि ॥ वि ॥ द ॥ स ॥ इ ॥ या ॥ व ॥ ॥ र ॥ सि ॥ स ॥ र ॥ य ॥ मी ॥ उ ॥ त ॥ रा ॥ र ॥ श्री ॥ रा ॥ र ॥ अ ॥ र्ध ॥ रा ॥ र ॥ ॥ र ॥ स ॥
 ॥ ह ॥ स्व ॥ क ॥ ग ॥ ह ॥ स ॥ वा ॥ न ॥ म ॥ न ॥ म ॥ इ ॥ ॥ र ॥ म ॥ ध ॥ न ॥ कि ॥ र्हि ॥ व्या ॥ वा ॥ त ॥ रा ॥ र ॥ स ॥ र ॥ य ॥ म ॥ ग ॥ त ॥ मा ॥ म ॥
 य ॥ व ॥ र ॥ कि ॥ ॥ र ॥ वि ॥ यि ॥ र्हि ॥ रा ॥ ग ॥ सि ॥ मा ॥ न ॥ वि ॥ यी ॥ व ॥ र ॥ य ॥ ॥ र ॥ ध ॥ ध ॥ न ॥ न ॥ स ॥ र ॥
 हा ॥ रा ॥ र ॥ ॥ र ॥ वा ॥ हि ॥ रा ॥ नि ॥ व ॥ अ ॥ ग्नि ॥ र ॥ य ॥ न ॥ त ॥ र ॥ य ॥ व ॥ क ॥ त्रि ॥ व ॥ यि ॥ स्य ॥ इ ॥ कि ॥ अ ॥ र ॥
 य ॥ कि ॥ वि ॥ त् ॥ स ॥ र ॥ य ॥ ॥ ति ॥ इ ॥ दी ॥ का ॥ द ॥ सा ॥ ॥ उ ॥ स ॥ र ॥ र ॥ य ॥ थ ॥ अ ॥ न ॥ द ॥ वा ॥ हा ॥ नि ॥ या ॥ यी ॥ व ॥
 रा ॥ अ ॥ र ॥ स ॥ इ ॥ या ॥ व ॥ ॥ उ ॥ सि ॥ वि ॥ द ॥ स ॥ ग ॥ म ॥ न ॥ इ ॥ या ॥ व ॥ ॥ उ ॥ स ॥ मृ ॥ दु ॥ श्री ॥ य ॥ त् ॥ व ॥ स ॥
 ध ॥ न ॥ व ॥ हि ॥ हा ॥ नि ॥ क ॥ त ॥ क ॥ य ॥ ॥ उ ॥ म ॥ हा ॥ ध ॥ न ॥ मि ॥ त् ॥ वि ॥ व ॥ क ॥ श्री ॥ स ॥ र ॥ य ॥ हा ॥ नी ॥ ॥ उ ॥ यि ॥
 क ॥ र ॥ के ॥ धु ॥ सि ॥ त ॥ रा ॥ ग ॥ र ॥ मा ॥ यि ॥ दा ॥ उ ॥ म ॥ न ॥ म ॥ न ॥ द ॥ ह ॥ ॥ उ ॥ ध ॥ रा ॥ र ॥ म ॥ इ ॥ स ॥ र ॥ य ॥ म ॥ इ ॥ वा ॥
 त ॥ वा ॥ धि ॥ क ॥ र ॥ रा ॥ ग ॥ श्री ॥ य ॥ त् ॥ स ॥ र ॥ य ॥ ने ॥ कि ॥ त ॥ ॥ उ ॥ वा ॥ इ ॥ र ॥ य ॥ ना ॥ न ॥ क ॥ स ॥ य ॥ क ॥ ॥ उ ॥ र ॥
 म ॥ ग ॥ ल ॥ अ ॥ र्थ ॥ हा ॥ नि ॥ व ॥ मृ ॥ हा ॥ नि ॥ किं ॥ वि ॥ त् ॥ स ॥ र ॥ य ॥ ॥ ति ॥ इ ॥ दी ॥ का ॥ द ॥ सा ॥ ॥ सि ॥ का ॥ य ॥ सि ॥ हि ॥

रुनतरुयुमिउतारु ॥ **सि॥** **सं॥** व धन नृयथैतरुय धनहानि महारुय दस त्याग ॥
॥ **सि॥** **मं॥** रुनतरुयुयविधिममगतरु ॥ **सि॥** **पि॥** को धरुयु मीछा उध्वं वेलिद
या दयतरुयुयारुय ॥ **सि॥** **धं॥** युनदन मनसं कलित सर्वमायातिनिधि
तं ॥ **सि॥** **अ॥** सुरुया तारायारुय सुखा न साग साग सिद्धि कार्य किचित् ॥
॥ **सि॥** **रु॥** मंरुतरुयुयविद्या नतरु ॥ **सि॥** **उ॥** धन अजुविनासि कु सख क गुहे म
होकातिनि **ॐ** निसिद्धायादसा ॥ **सं॥** मत्रन धनहानि दस त्याग ॥ **सं॥** **मं॥** जका
समाजुन धनहानि सुरुयुयविद्याग सुरुनकतरु ॥ **सं॥** **पि॥** सित सवैथा स
त्रुगल सवैथा यादिरुय ॥ **सं॥** **धं॥** गुल्ललाग उदतरुयिदा निरुमिउ सु **सं॥** **मं॥**
दरु ॥ **सं॥** **अ॥** उमन विधियित त दस त्याग महानि तारुय ॥ **सं॥** **रु॥** जाग योद
येयिनि कतरु दसविग्रह ॥ **सं॥** **अ॥** हानि मृदु कतरु मर्दन ॥ **सं॥** **सि॥**

७
१
१२
३

क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ
०	०	०	०	०	०	०	०	०
१	२	३	४	५	६	७	८	९
१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८
क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ
१	०	१	२	३	४	५	६	७
२	६	१	०	७	८	९	१०	११
३	०	१०	१०	०	१०	१०	२०	१०

नदग्रह जादि न वास्यंथ वरसद साहाय॥ ॥ जा॥ ना रुयि
 वा. सतित्र सयि रुत्राग. जनेक नाना धन रुय॥ ॥ जा॥ वी॥
 समसुग रुनास. व्याभि नास. जर्थ तरु॥ ॥ जा॥ जी॥ प्र वास
 सुवर्धु वमु. मान. तरु॥ ॥ जा॥ ता॥ नाना सताय. नाना रुय
 कबूत्राग. नाना व्याभि. विहि नास. यूज नास॥ ॥ जा॥ व॥
 जर्थ तरु. व्याभि नास. धर्म कार्य संयाय॥ ॥ जा॥ न॥ ना रु
 य. स्वयु त्रुखानि. कमिज. वांभ व. वरि लंक ते रु॥ ॥ जा॥ व॥ कबूत्राग यिदा. सति
 दुनास. विवरुय॥ ॥ ॥ द सनास. यधू नास. जर्थ नास. यूज रुय. स रु रुय॥
 ॥ जा॥ क॥ सतिद यि ता. गत राग. कल जति सा त. स त राग. महारुय॥ ॥ जा॥ म॥
 ग्रह रुत्र न धन दान. सुवर्धु दान. द रु ना. ॥ ति स रुय द सा॥ ॥ वी॥ रुमि. व मु

म
ज
न
स
र
उ

सर्वत्रारु॥ ॥**वै॥**॥**ज**॥**त** कयिदा. यिरुसंरुव. जग्निवोत्ररुय॥ ॥**वै॥**॥**त**॥ सऊरुय
नानात्रागयिदा. जग्निरुय. धननास॥ ॥**वै॥**॥**व**॥ धर्मत्रता. जर्थरागी. मानत्ररु॥ ॥**वै॥**
॥**म**॥**व**॥**ध**॥**व**॥**उ**॥**ध**॥**ग**॥**रु**॥**य**॥**स**॥**क**॥**स**॥**म**॥**ह**॥**व**॥**ग**॥**त**॥**व**॥**द**॥**र**॥**य**॥ ॥**वै॥**॥**व**॥**स**॥**व**॥**ध**॥**ध**॥**न**॥**य**॥**य**॥**ि**
हस्ति. महिरा. गनत्रारु॥ ॥**वै॥**॥**क**॥**ग**॥**रु**॥**ह**॥**स्ति**॥**य**॥**य**॥**ि**॥**ध**॥**न**॥**त**॥**र**॥ ॥**वै॥**॥**ग**॥**व**॥**रु**॥**य**॥**त**॥**र**॥**य**॥**स**॥**व**॥**ध**॥**ध**॥**न**॥**य**॥**य**॥**ि**
समागम. तद्रुत्रारु॥ ॥**वै॥**॥**ज**॥**त**॥**क**॥**य**॥**ि**॥**द**॥**ा**॥**स**॥**त**॥**स**॥**ऊ**॥**रु**॥**य**॥**त**॥**य**॥**स**॥**ि**॥**र**॥**ा**॥**रु**॥**न**॥**स**॥**व**॥**त**॥
युष्मत्. रुहाययिउयुक्ता॥**ॐ**॥**ति**॥**व**॥**द**॥**द**॥**स**॥ ॥**ज**॥**स**॥**ऊ**॥**रु**॥**य**॥**ि**॥**द**॥**ा**॥**स**॥**ह**॥**व**॥**ध**॥**ध**॥**वि**॥**श**॥**रु**॥**त**॥**य**॥**ि**
दोसंतायरुय. यत्रयुत्रयत्रि॥ ॥**ज**॥**त**॥**स**॥**ऊ**॥**रु**॥**य**॥**ि**॥**द**॥**ा**॥**स**॥**ह**॥**व**॥**ध**॥**ध**॥**वि**॥**श**॥**रु**॥**त**॥**य**॥**ि**
त्रारु. थानरुगमन. प्रियुदयवृजिता॥ ॥**ज**॥**ग**॥**इ**॥**र**॥**य**॥**वृ**॥**ष**॥**रु**॥**क**॥**न**॥**क**॥**त**॥**त्र**॥**ा**॥**ग**॥**य**॥**ि**॥**द**॥**ा**॥
सर्वरुय॥ ॥**ज**॥**व**॥**स**॥**ऊ**॥**रु**॥**य**॥**ि**॥**द**॥**ा**॥**स**॥**ह**॥**व**॥**ध**॥**ध**॥**वि**॥**श**॥**रु**॥**त**॥**य**॥**ि**॥ ॥**ज**॥**क**॥

महाअध्यातरुयवोत. अग्निरुय. क त स त्रि त स यि दा। ॥ अ॥ ७३ ॥ स्व व सु तारु
कार्य सिद्धि॥ ॥ अ॥ ७४ ॥ क स. य. उ. म्. तारु तारु। ॥ अ॥ ७५ ॥ न न चि ल. स र य त
रु ॥ ७६ ॥ ति क क द सा॥ ॥ त॥ ७७ ॥ या धि क य. ध न तारु द व य. ति क। ॥ त॥ ७८ ॥ य त
य. ग म न रु य. वि षु रु. क त रु. ध न ना स. वि द स ग म न॥ ॥ त॥ ७९ ॥ वा क यि ल
यि त स रु य. क त रु. द स रु य॥ ॥ त॥ ८० ॥ मि उ तारु वा ध व स्र म्. ध न व सु तारु
रु॥ ॥ त॥ ८१ ॥ क॥ क त यि दा. अग्निरु य. वा ध व क त रु॥ ॥ त॥ ८२ ॥ वा ध व स म क
य त व तारु॥ ॥ त॥ ८३ ॥ स रु. वो त. रु य. तारु यि दा. स रु. तारु रु य. अर्थ ना स॥ ॥
॥ त॥ ८४ ॥ य॥ य त व रु त न. ज्ञा या म त न. ध न ना स॥ ॥ त॥ ८५ ॥ त्र य यि दा. स रु. अग्नि
तारु य. य वा स म रु रु य ॥ ८६ ॥ ति तारु द सा॥ ॥ ८७ ॥ स त्रि त स या धि यि दा. सर्व क त रु. स

इस वृद्धि हानि यत्र दस गमन ॥ ॥ ७ ॥ व ॥ सुरु विरुयः सुरुयः नः मानध
नतारु ॥ ॥ ७ ॥ क ॥ या त यि हः त ग वि दः य ज दि क त ह ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ मि उ य उ ध नः सुरु
विरुयः य वि ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ य उ ना सः प्रिय वि श गः ज र्थ ह नि रु यः य वि क्रि व स द ह ॥
॥ ७ ॥ ॥ व ॥ या य वि श गः ह न क त हः य ध ह नि वा त स य म वि दः ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ स मु
या त नः क त ज ति सा तः ध न ह नि वा धि वि दः ॥ ॥ ७ ॥ ॥ व ॥ व मु ज र त का तः य वि मा
नतारु ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ज ॥ द स स गः स नि या त क तः इ ४ र य वि दः रु य ० ति ७ नि ० य न द स ॥
॥ ॥ व ॥ ध नः मि उ य उ सा मु तारु ॥ ॥ व ॥ ॥ क ॥ इ ४ र य स क नः वृ त्यं स त्रा त स वि दः
॥ ॥ व ॥ ॥ ७ ॥ ध र्म वृ द्धिः य ज दि ज र त का त दि य वि ॥ ॥ व ॥ ॥ ७ ॥ स व र्ध तारु त र मा
न य वि ॥ ॥ व ॥ ॥ व ॥ सुरु नि त्यं क त हः स नि या ता दि वा धि ॥ ॥ व ॥ ॥ ७ ॥ ज र ह नि म ह र
य ॥ ॥ व ॥ ॥ ७ ॥ या क न ह व य दा स स्त न च र ति ॥ ॥ व ॥ ॥ व ॥ ज रा ह स र रु य ॥ ॥

॥ १ ॥ धर्म ज्ञान राग राणा ज्ञान व्यापि रुय ॐ निवृद्ध दसा ॥ ॥ २ ॥ मान धन वृद्धि ॥
॥ ३ ॥ सुख मंगल लालि ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ रागरुय सक्त रु द व गु त् ज्ञानि वृत्ता तानि
॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

त्रयसःॐ वः यानसाः कडसःॐ यानसाः दसमसःॐ यानसाः धककत्रयोमता ॥ त्रयसः
 ७१ यः यानसाः लिक्कनसःॐ यानसाःॐ यानसाः दसमसःॐ यानसाः धकयाक्कायाक्का
 दयाव ॥ त्रयसः द्वादसः वायुगुरुयानसाः रुयेदयाः अज्ञातनय्यावः यदुथ
 सः दसमसयानसाः ॥ धनस्त्रनसःॐ यानसाः मीनसःॐ यानसाः तुत्रसःॐ यानसाः
 वः निवकुतुसयानसाः तारानज्यमानयायव ॥ यदमसःॐ यानसाः त्रयसः
 यदुथसं यानसाः धकयुतुनः वदुनं मा मनं नयिवः धकभावाकि मंदः दननावः वंध
 त्रयावस्योय ॥ मीनसःॐ यानसाः धनस्त्रनसःॐ यानसाः हनियसःॐ यानसाः तारान
 रुयंरु ॥ त्रयसःॐ यानसाः धनस्त्रनसःॐ यानसाः विवादरुयवः लायमात्रिवः धयावदुविम
 सः रुयव ॥ हनियसःॐ यानसाः लयसःॐ यानसाः धकयाकनः कत्रनासयाया
 ॥ त्रयसःॐ यानसाः धनस्त्रनसःॐ यानसाः त्रयसःॐ यानसाः धकनधनरा

त्रयसःॐ

या व व व या क रु कि इ य द ॥ ॥ त ग्न स ३३ वा न सा ३ वा न सा ३ क न स ३ वा
न सा द स म स ३ वा न सा ३ ध क्र ता रा इ य द ॥ ॥ त ग्न स ३ म इ ३ म इ ३ क द स ३
म इ द स म ३ म इ ३ ध क्र व या द ऋ य त क न म इ म रि द ॥ ॥ य व म स ३
स ३ वा ३ ध त ग्न ह वा न सा ३ ध क्र या व व मा म द दा मृ द ॥ ॥ त ग्न स वा य ग्न ह
स क रं वा न सा ३ ध क्र या मा म मृ द मा वा मा म्वा क ॥ ॥ त ग्न स ३ वा न सा ३ य व म स
३ वा न सा ३ स क म स ३ वा न सा ३ ध क्र म्वा व य सु नं व व मृ द ॥ ॥ त ग्न स ३ स
क म स ३ वा न सा ३ वा न सा ३ ध न स्त्वा न स ३ वा न सा ३ ध क्र ता रा इ यी द ॥ ॥ न व
म स ३ य व म स ३ वा न सा ३ स क म स ३ वा न सा ३ स क म स ३ वा न सा ३ त ग्न स ३
वा न सा ३ १०० म्वा य ॥ ॥ ल ग्न स ३ वा न सा ३ क म्म स ३ वा न सा ३ व तु थ स ३ वा न
सा न ता न मृ द ॥ ॥ वा द स ३ वा न सा ३ तु न त ग्न स ३ व त सा ३ क द स ३ वा न

सा.थ.क्र.ता.म्या.य.व.॥ ॥ रु.म.स.जा.यान.सा.ता.जा.दि.त.क.उ.स.वान.सा.थ.या.मा.म.
व.व.म.उ.॥ ॥ व.तु.थ.स.जा.यान.सा.व.व.स.म.स.र.वान.सा.थ.क्र.स.चा.सि.इ.य.उ.॥
द.स.का.त.ता.व.इ.त.द.स.व.नि.व.॥ ॥ व.तु.थ.स.र.वान.सा.व.वान.सा.थ.क्र.म.वान.ता.व.
तं.मा.म.व.व.द.स.र.य.न.वान.का.व.ता.म्या.य.॥ ॥ ल.ग.स.र.वान.सा.ध.न.था.न.स.र.वान.
सा.थ.क्र.म.वा.ता.म्या.य.व.का.य.क.य.स.हि.त.न.स.र.य.न.वानि.व.॥ ॥ व.स.म.स.व.ध.
वान.सा.जा.वान.सा.ध.न.ह्वा.न.स.वा.न.सा.म.वा.या.नि.मि.ति.न.इ.४.ख.इ.य.व.ध.
न.ना.स.॥ ॥ स.क.म.स.ता.वान.सा.उ.क्र.या.नि.मि.हि.स.हि.वान.सा.थ.क्र.व.य.तु.न.मा.म.
म.उ.इ.य.व.॥ ॥ ज.स.म.स.क्र.वान.सा.ल.ग.स.र.वान.सा.थ.क्र.र.इ.या.व.व.ध.न.या.व.
म.उ.इ.य.व.॥ ॥ द.स.म.स.जा.वान.सा.दि.ह.य.स.र.वान.सा.थ.क्र.ध.मि.इ.य.व.स.म.र.
न.मी.व.हि.इ.य.व.॥ ॥ ध.न.भा.न.स.स.वान.सा.ल.ग.स.र.वान.सा.थ.क्र.हि.म.व.द.स.म.उ.॥

ॐ तिलवृक्षात्कस्माद्यः॥

॥ सूर्य राग दिन ॥ कया न ३ ता झरुं ते ॥ झु उ स ३

रिद्वयमुनयदया॥ वाहा १ रुअखवन. किस्तिगयदयावा॥ चूल्या १ रुदखवन. स्मनज

मइयावा॥ यातता १ नखेनखइयावा॥ हृदय २ तवधनिवा॥ गुह १ माहातासकइय

यथा नारु विरसि न स तुष्ट ॥ ३ ॥ न वन यत्र दसि रुया व ॥ तुति नि व स ज

यादृशदिक्मंदयाद्या०॥ तिस्रोऽवस्थाः॥ मूत्रनक्रुतसर्वअक्षयस्त्वय। घटि० मूत्र
पसास्रकृत्परापर्युक्ति० संकल्प५नेर्हंति॥ सवि० कृतस्रकृत्परापर्युक्ति०

सु. ना न व वृ नृ उ. सु ध ना हा या टा। फुरु सु. न न हा ना धा टा। रवा त्र सु. द दा क को य
वा स॥ हरि॥ द र स सा स स हि क॥ हरि॥ द र स स नि क र स र सा र॥ हरि॥ द र स

॥ हा वाच्य न स गमनाह का ध्या ॥ ८ ॥ ह त स वा त व त न द वा वा ध्या ॥ ९ ॥
नी ज्ञ या वा ॥ घ टि ५ म स ग ज्ञ ज्ञ या वा ॥ घ टि ३ नि षा म ग म म्ना या वा ॥ ०० नि म न

॥ पा लुन ॥ भा क न द व ॥ जं दा कि नि ॥ वृ क्त य का ॥ वृ द व ॥ वृ क्त ल क ॥ वृ क्त नः वं ता न ॥ वृ क्त न य ॥

॥**सि****ध** देव्या कदाइ ॥**ध्रु** ज त हयाइ ॥**स्वान** क छा कायू ॥**दृ** ने क या कायू ॥**ग.** द्य वा दो बने ॥**धा** क्र या ॥ दा र न स च

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
नमः नमः नमः नमः नमः
नमः नमः नमः नमः नमः
नमः नमः नमः नमः नमः

ॐ ॥ २ ॥ मानधनतारु ॥ ॥ १ ॥ धनवस्तुतारु ॥

तारुयस्तु कर्तुं ताव ॥ ॥ १ ॥ तारुयन कया द ३ ४ ख द या द धन हानि तितयावतु

धुका ॥ ॥ १ ॥ विष्टु इ या दे धन हानि मानना स तारु रुय मान हिन क्रित धन ॥

॥ १ ॥ कयि अ या द अष्टि तारु रुय हानि यो तारु रुय वत म इ यित व्याधि ॥ ॥ १ ॥

१ ॥ धन वस्तु तारु ॥ ॥ १ ॥ वत हानि गरु हानि धन धित म इ अ सखना स

सत्रित स जाय साय मदयि द मन जा त इ या द हा कसा ॥ ॥ १ ॥ सख वा धल यि अ

हानि तारुयन कया अ म व न यि द वि यी द स मु न घा त य तारु य त म हा का त व ॥ ॥

॥ १ ॥ धन हानि कल ह वा धल यि अ गत या त ह्या या द ॥ ॥ १ ॥ स्म न धन तारु सख

हानि ३ ४ ख ना स ॥ ॥ ३ ॥ स्म य व धन तारु सै के द या द ॥ ॥ ३ ॥ सख ना स धन

वस्तु तारु मान द या द ॥ ॥ ३ ॥ सत्रि द स जाय साय मदया द सु क धन ना स क

१०० बुद्धयुगायूरा

तह.थमयादाकर्मथमंयंचतइयादयतयारुयनव्यायात॥॥३॥धनहानि
रुमिसवाधयमइयादखूनखयाव॥॥३॥॥धन.रुमित्रारु.सकुनास.वक्रता
रु॥॥३॥॥सतकिप्ति.धनतारु॥॥३॥॥तारुमान.धनतारु॥॥३॥॥धन
हमित्रारु.नानातारु॥॥३॥॥त्रायनकयाद.सत्रितसहिषनिउ.विद्युकायलपि
व.इ४खदयाउ.व्यायाद.नृगकसस्यायाउ.ज्ञानवत्रयति **सूर्यविरु॥॥३॥॥**
याद.नृगकसस्यायाद.रुत.स्यायाद.यततायाचंद्रविरु **संख॥॥३॥॥** क्यू
वरुसंगताव.जसूरुइयाद.वृद्धिहिन.सकुवाधलपिउ.रुतनवायाद.नृगकस
स्यायाद.यातस्याक.हिषनिउ.मृदुर्ष **बुद्ध.धन॥॥३॥॥** रुसदयाद.धनतारु॥॥३॥॥
॥३॥॥३॥ वृद्धिहिन.नानवाययितसमदयाद.कह.जातइयाद.मात्रस्यायाव॥॥३॥॥
॥३॥॥३॥ धनलीतारु.सकुनास॥॥३॥॥ व्यायाद.कह.कतातवल्लयमातीवम

पुञ्जवयत्रिइयीद नृगक सस्यायादत्राकअवित्रूध **कृतयारु ॥ ॥ ३ ॥** भवन
इ४स्यवियाद स्रुवाधलपितरुलस्यायाद येतत्राय कुरु **कतरयसुरुका ॥ ॥**
॥ क ॥ ३ ॥ नृगक सस्यायाद इ४स्यदयादल्लायमात्रिद **॥ ज ॥ ६ ॥** श्रीअकतह सुरु
दयाद सूर्यविरु **जागमसयूका ॥ ॥ व ॥ ६ ॥** त्रायनकया अ सुरुवाधत्रयितयूना
समिरास्यायाद **अधर्वदु ॥ ॥ ज ॥ ६ ॥** यूरुअवित्राध सुरुयाचेलयारुय तुरुहिन
नानात्रागद्यात्रकयिअयाद यूरुरुय **गुदयारु ॥ ॥ व ॥ ६ ॥** श्रीयूरुयाकन कतरय कुरु
येतत्राय श्रीवियाग **जागमसयूका ॥ ॥ व ॥ ६ ॥** यूरुधनतारु मानदयाद रु सदयाव
॥ ॥ ३ ॥ ६ ॥ सुरुना सधनरु स मानतारु **॥ ॥ ग ॥ ६ ॥** विवादइयाद धनहानि यूरु
अवित्राध **सादान ॥ ॥ त ॥ ६ ॥** कृतात्रतमात्राद कायवल्लायमात्रा अ हानि **सददान ॥**

॥ क॥ ८ ॥ कतलुतमरुक्चिनदयादकार्यहानिजगमसयूजाथानतरसुसखात्रा ॥

॥ ज॥ ९ ॥ सुरुक्षयादसुखनासधनतारु ॥ ॥ व॥ ९ ॥ सुखनासधनतारु ॥ ॥ ज॥ ९ ॥ सुख

नासधनतारुमानेकसतारु ॥ ॥ व॥ ९ ॥ धनमानतारु ॥ ॥ व॥ ९ ॥ सुखवाधलयिअक

तलु ॥ ॥ व॥ ९ ॥ सुखवाधतयिअसतदान ॥ ॥ ज॥ ९ ॥ सुख

नासुखसधनतारुमानदयाद ॥ ॥ त॥ ९ ॥ सुखहानिताकमानधनतारुसतिरससुख

युगतारु ॥ ॥ क॥ ९ ॥ कतलुतमरुक्चिनदयादकार्यहानिथानतरसुसखात्रा ॥ ॥ ज॥

॥ ९ ॥ यततायजुर्दिष्टयत्रिसमरुलस्यायादश्रीअल्लयमात्रिअत्राणासुखयिअ ॥

॥ ॥ व॥ ९ ॥ धनजुन्नवमुतारु ॥ ॥ ज॥ ९ ॥ तारुयासुखयासुखदसत्यागाश्रीवकतलुद

क्चिद्यातयनिदमिरयास्यायाद ॥ ॥ व॥ ९ ॥ श्रीवकतलुततलुहानिसगुसयूजा

॥ ॥८॥ १ ॥ गुरु जर्धु य म्पु नारु म्पु नारु ॥ ॥९॥ १ ॥ म्पु अ क न ह इ ४ ख द यी द ॥ ॥१०॥ १ ॥
द स त्या ग ध न हानि क न ह य त त्रा य म्पु वि या ग न रु हिन स रु रु य गुरु त्रा ग वि ध स द
जा स न दान ॥ ॥११॥ १ ॥ म्पु अ क न ह म व या म्पु म न व नि द य त स व स स त्या यी द व
त रु १ ख र्म दान स म्पु न स म्पु न ॥ ॥१२॥ १ ॥ य त रु ति रु ल स्या यी अ क न ह स त्रि ल
जा य सा य म द यी द धा न त र स स र्वा त रि व यू जा ॥ ॥१३॥ १ ॥ थ अ म्पु न ह म य य म्पु
या नि मि र्ति न इ ४ ख त्रा य क या द म्पु यी द य त त्रा य स क स का य म्पु रु रु य ति त्र या ॥
॥ ॥१४॥ १ ॥ य त त्रा य य य य यी द मि र्ता रु त स्या यी द लो य मा त्रि द म्पु रु रु य ध न मा स
॥ ॥१५॥ १ ॥ त्रा य न क या द म्पु रु रु य स रु रु य थ अ स त्रि त स हि अ यी द स म्पु य
हा त न घा त रु यी द क रु ल स्या यी द मा न न स रु उ या ॥ ॥१६॥ १ ॥ ध न य रु तारु

सत्रिलसुसुख ॥ ॥ ८ ॥ धनहानिर्वंधनतारुवोतसुसुखसुसुखसुसुखसुसुख
समतविया ॥ ॥ ८ ॥ धनरुसुतारुलक्ष्मीवृद्धि ॥ ॥ ८ ॥ देसत्यागवोलसुसुखका
यमवाउलायमात्रिवद्यातारुसुसुखसुसुखसुसुखसुसुखसुसुखसुसुख
सादान ॥ ॥ ८ ॥ विवादइसीवकतरुसुसुखततारुसुसुखकदाविर्सुसुखसुसुख
सुसुखसुसुखधननासुसुखसुसुखसुसुखसुसुखसुसुखसुसुखसुसुख
गंयारुसुसुखमिनिमिर्हिनकतरुधनहानिमिनिवयुक्त ॥ ॥ ८ ॥ तारुसुसुखसुसुख
मात्रिवसुसुखधनतयिजधनहानिनिगितकत ॥ ॥ ८ ॥ मिखाकतरुसुसुखधन
धनहानिनिगिततारुसुसुखदानवदुविह ॥ ॥ ८ ॥ सुसुखसुसुखसुसुखसुसुख
नयायावइवतदहधनहानिनिगिततारुसुसुखदानवदुविह ॥ ॥ ८ ॥

॥३॥ ८ ॥ मिरका कल स्या यी व य त स्या यी व धन हां नि व दाना य न ॥ ॥४॥ ८ ॥ मान धन व
व धर्म क स रु मा त रु व्या या त सिद्धि ॥ ॥५॥ ८ ॥ धन धर्म मान तारु ॥ ॥६॥ ८ ॥ धन हा
नि स रु द यी व का य ध्मा य म्पु सिया व य त व त स्या यी व सा दान ॥ ॥७॥ ८ ॥ धर्म क स रु
नि घा त व नि व य वा स मृ तु र्ब र्ब दान महा का त य रू ॥ ॥८॥ ८ ॥ धन हा नि छे ता त त
म न रु या व स क सं ता य चि त दान त र्ब का त य रू ॥ ॥९॥ १० ॥ या द का र्थ सिद्धि ध
न रु स तारु ॥ ॥१०॥ १० ॥ धन रु स तारु स रु ना स ॥ ॥११॥ १० ॥ स क सं ता य धन हा नि ध
तु क न व त म इ स रु वृ द्धि वी ल रु य रु त नू ण ल य त्रि स्या या व प्र व न ज्य या त या य
अ र्थ व त द व्य त रू ॥ ॥१२॥ १० ॥ ना य य रू ॥ ॥१३॥ १० ॥ स रु ना स धन मान तारु ध्मा न वृ द्धि ॥ ॥१४॥
॥१५॥ १० ॥ धन ना स क त रु क ल स्या यी व त रु रु य ॥ ॥१६॥ १० ॥ धन हा नि म रि द स व द न

मात्री. सख्वाधल यिद. ॐ नुयूका॥ ॥ ७ ॥ १० ॥ धनलानि. विद्या. क स. धर्मना स. सख्दय
व. वृषरुय हाक सादान॥ ॥ ८ ॥ १० ॥ इ४ खंदया व. सखंदया अ. स. स. लाय मात्रि अ. स.
सदान॥ ॥ ९ ॥ १० ॥ कतरु. इ४ खंदया व. क स. धनलानि. आगमयूका ॐ यत्र दका॥ ॥
॥ १० ॥ ११ ॥ मान. धन. व. मु. क स. धर्म. तारु. ल. क्री. वृद्धि॥ ॥ ११ ॥ ११ ॥ मि. क. धन. विद्या. क स. मा
न. तारु. सख्हा नी. इ. खना स॥ ॥ ११ ॥ ११ ॥ तारु. मान. सख्ना स. धन. तारु॥ ॥ ११ ॥ ११ ॥ मि
क. विद्या. धन. स. के. स. व. धु. तारु॥ ॥ ११ ॥ ११ ॥ य. क. धन. व. मु. तारु॥ ॥ ११ ॥ ११ ॥ मान. धन. तारु
रु. सख्ना स॥ ॥ ११ ॥ ११ ॥ य. न. या. क्री. तारु. तारु. मान. सख्ना स. धन. तारु. ग. न. वृद्धि॥ ॥
॥ ११ ॥ ११ ॥ मि. क. स. व. धु. तारु. तारु. मान॥ ॥ ११ ॥ ११ ॥ रु. मि. धन. व. मु. स. व. धु. तारु॥ ॥ ११ ॥ ११ ॥
अ. वि. रु. तारु. सख्. रु. य. लाय. मा. लि. व. धन. लानि. इ. ग. ल. स. इ४ खंदया व. या. य. क. म. या.

रुलताया ॐ॥ **सूर्यस्तु मत्तयिययात ॥१॥** ॥ **च ॥१॥** सूर्यस्तु रुयधननासमानि
न. कुतिस्याया **दरुतयता ॥॥** ॥ **ज ॥१॥** कवि. यात्र. खनि ॐ. सूर्यदया ॐ. धनहानि. मि
खास्याक. मृ. उरुय **दधन ॥॥** ॥ **व ॥१॥** धन. व. मु. सू. वर्धुता रु. सूर्यनास ॥॥ **॥॥॥** ॥ **वो**
तरुय. धनहानि. क. त. ह. इ. र. व. सं. ता. य. स. र. वृ. हि. भा. त. स्या. क. द. ह. य. ति. ॥॥ ॥ **॥॥॥** ॥
धन. ता. रु. सूर्यनास. धर्म. वृ. हि. स. ति. त. स. सूर्य ॥॥ **॥॥॥** ॥ स. ति. त. या. त. रु. हि. न.
वृ. हि. हि. न. क. त. **॥॥** ॥ **॥॥॥** ॥ **॥॥॥** ॥ **॥॥॥** ॥ **॥॥॥** ॥ **॥॥॥** ॥ **॥॥॥** ॥ **॥॥॥** ॥
यि. थ. स. य. र. ॥॥ ॥ **॥॥॥** ॥ **॥॥॥** ॥ **॥॥॥** ॥ **॥॥॥** ॥ **॥॥॥** ॥ **॥॥॥** ॥ **॥॥॥** ॥ **॥॥॥** ॥
न. क. म्वा. त. र. ॥ **॥॥॥** ॥ **॥॥॥** ॥ **॥॥॥** ॥ **॥॥॥** ॥ **॥॥॥** ॥ **॥॥॥** ॥ **॥॥॥** ॥ **॥॥॥** ॥
सूर्यवाध. त. यि. द. धन. हानि. क. त. ह. य. त. द. स. ॐ. न. मृ. रु. य. त. र. व. का. त. य. र. ह. य.

सिद्धिधाम

गुरुवाक्य

कनकसहस्र॥ ॥ इति वागदसासमाय॥ ॥ तन्मसर्वं कनकसहस्रं यच्छिधधाम
महिं सकमसकनकहसहस्रं यच्छिधधाम तन्मसर्वं कनकसहस्रं यच्छिधधाम
दसुतयमनअभायः सकनकउवमिउकउधततास्यसुलयरुतइता॥ तन्मसर्वं
कनकसहस्रं कनकहसहस्रं यच्छिधधाम तन्मसर्वं कनकसहस्रं यच्छिधधाम
तन्मसर्वं कनकहसहस्रं यच्छिधधाम तन्मसर्वं कनकसहस्रं यच्छिधधाम
महत्तय॥ ॥ अ० १०॥ व० १०॥ अ० १०॥ अ० १०॥ अ० १०॥ सिद्धिधाममहिं॥ ॥ अ० १०॥ नकइविकय
तस॥ अ० १०॥ दधुस॥ अ० १०॥ ताततदेवतस॥ अ० १०॥ व० १०॥ वानिअ॥ अ० १०॥ वानिअ॥ अ० १०॥
वानिअ॥ अ० १०॥ वानिअ॥ अ० १०॥ वानिअ॥ अ० १०॥ वानिअ॥ अ० १०॥ वानिअ॥ अ० १०॥ वानिअ॥ अ० १०॥
अ० १०॥ रुता॥ तायादकिनरुल॥ कउदयताया॥ अ० १०॥ रुता॥ अ० १०॥ रुता॥ अ० १०॥ रुता॥ अ० १०॥ रुता॥
जातकउदयारुतावादसायारुताधनितास॥ अ० १०॥ रुता॥ अ० १०॥ रुता॥ अ० १०॥ रुता॥ अ० १०॥ रुता॥

३ का
जात
ह तदि
प्रसू
क स ह
न हा
य यं
नात्र म
ख ह न
ह न न
य वि

三

गोनात्रिभि
नादिदवक्र
॥ फागवक्र



भात्रस रुद्धि नमरिठ त्रगा इया उ ॥ नृगत धन तारु ॥
याद खव्वल मरिठ धनना स ॥ नृगत खव्वत नका दाय
थिद निद्र नृगत मरिठ निद्र यि दाय यरु ॥ यात खव्व
त मथ म ॥ क्रिय नथ खव्व द स समरु रुय हा नि ॥
क्रिय न महा मरिठ ॥

॥ ज्ञन त्वयः कादः नृयः ज्ञनः त्वयः
येकैना म्वात हा का ज्ञन हा रुद्र



कवि उ
यं रु ॥

त्रवि रागा दिध अनरुण ता ता
कथा सयारु लख य ॥ रा मृ तु ॥
क गुरु ॥ क रागा ॥ क्रि रुय तारु
रुति का त वक्र ॥

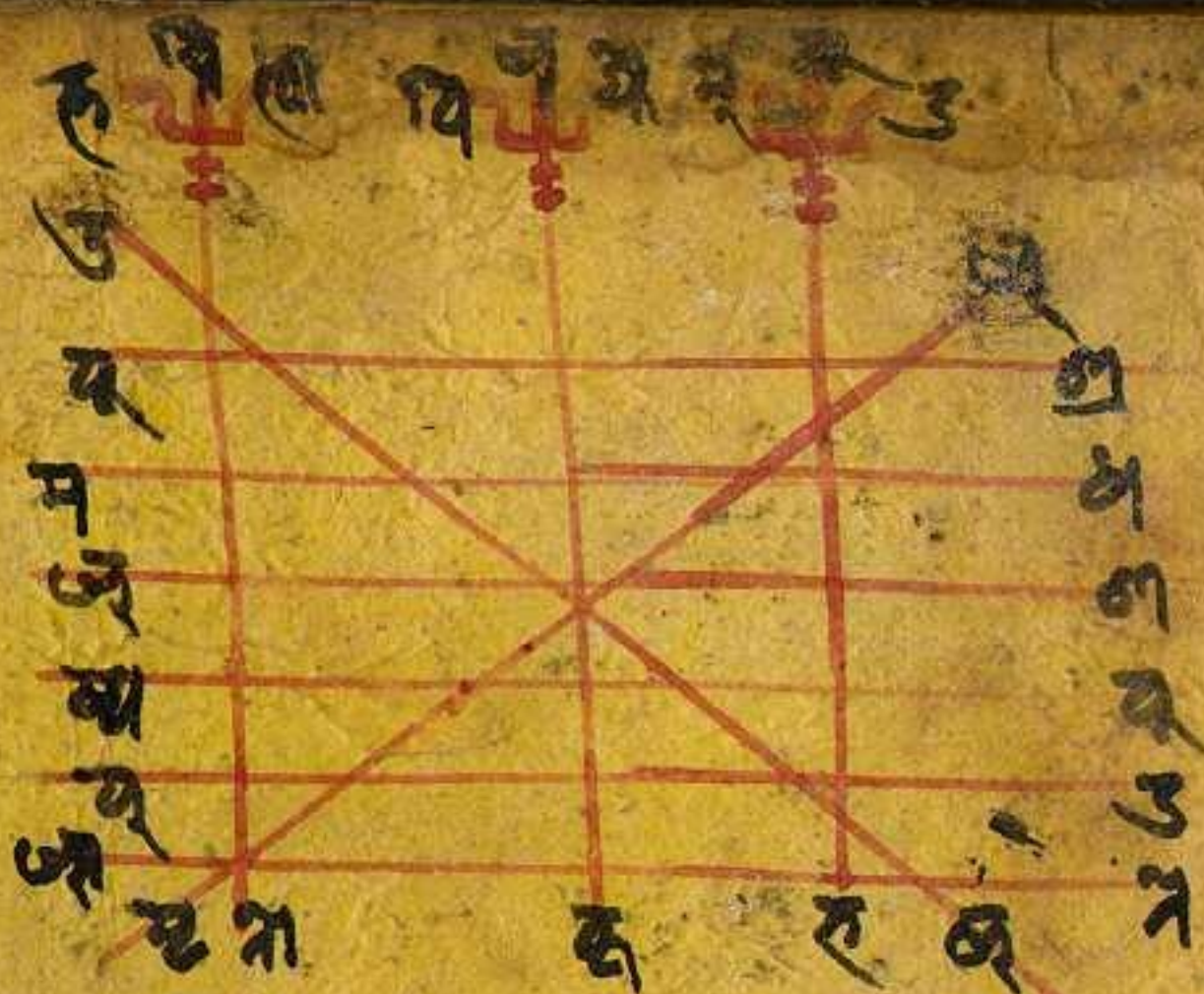
जं न मृ तु
मं ध च न धि त म र
रु य तारु

दशमोक्तिका

विमलवक्त्र



नामनकृतताः
दशमोक्तिका वक्त्र ॥



कथं ३ मृतु ॥ विमलवक्त्र ॥ विमलवक्त्र ॥
विमलवक्त्र ॥ विमलवक्त्र ॥ विमलवक्त्र ॥
इति वक्त्र ३ ॥ विमलवक्त्र ॥ विमलवक्त्र ॥
विमलवक्त्र ॥ विमलवक्त्र ॥ विमलवक्त्र ॥

विमलवक्त्र

१०३ त. मिसवा तय य. त्रिधा त काम विहा य रु य व ३० मृ दु र्थ धन म सित सा. काय ता क हिक न

॥ म ॥ त क मान धि त म ति वि व क न दा ता इ या व. क हिया या व. स्यो दा क द यी अ.

य द स इ य. य या व. म रि ढ वा क यि त य व. द व णु व व रु स त स. व र्थ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३०

मृ नु त क हिक. ७३ क. यं य मा ह स न क रु. त वि दि ने. व थ म य ह त मृ ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५०

॥ म ॥ मि थ न ति व. त क वं न. स रि. मि र धि त. इ या व. वि व क न. मि र का य या

या अ. रा गा. ता हा तु ति. क त. क मु या थ ढ. उ य तु न् मा व कि व. उ य तु न् द य कि

व. मृ रि ढ ता या व. स त वं न. द व णु व रु कि. र व स या अ. त गी. ३ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३०

रु य रु त सा. व र्थ २० मृ नु त. मा र्ग णि त. ७३ क. वि ज न क रु. व थ वा त. ग त य त स्या

क स. जू ध त ति स मृ ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५०

॥ मि ॥ वृ द्धि वं न. व त वं न. म रि न क इ य. य या अ. मि

स रि ढ. ह ता रि. मि सा या त य या व. ग ति व थ धि त इ य. न सा क यि त. स्या न न क य

हा य व. आ स या व. मि सा या नि मि रि न दा म रु या अ. थ न उ स इ य रु. ति थ ढ

६ व र्थ १३ मृ दु र्थ धन म मि प सा य व ३० य य ता. य ग ति न क रु. व रु य

॥ म ॥

अथ नाना भाषा

[illegible]

1010

वैद्य ३५५ नमः सित

वेदवेदथममासतत

१ सत्रहिकवव३३ मृदुधननसितरु यरु.राठुन.मृदु

धनमसितसावर्ष२२ वेरु७३ क ७ कादसि.रुसुनकुरु सनिव्यत्र.यधमयरुत्र **मृदु॥**

॥ कं॥ वृद्धिर्वे न.धर्मवै न.विचक्रन.धर्मसलय.वनरु सप्रतिइयाटा.वत्रराणा.इ० वि

म.धमस.तिथंजातास.मृदुरुय.नसाकचितन.साननच्यत्रस.कसयिनइमिसावा

नन.धानरुसुइयाटा.उदसुअनमात्रिआ.सुवनसियंरु.वर्ष३३ १३५ ०३ धनरुयसुत

सावर्ष१०० वेणाख७३ कयं वमी.सातिनकुरु.वधवात्र.जधताति **मृदु॥ ॥ ३३॥** राणावै न

मानतायाटा.वत्रताकक.वितस्याकदयाआ.तमवायाटा.मीसावात्रयव.रुतासवायाटा.स

तित्रस.संखधरु.वैयक्र.वनदयाटा.सुसुनघात्रन.मृदुरुयंरु.कतिनिअकारय.वव

३३ १२३२२१०० धनरुयसुतसावर्ष१२ **३३** ७३ कयं वमी.जानकुरु.शामवात्र.जधतातु

३३ ॥ वि.तदवत्र.राणाधनविशयसूर्यरु.वि.क्रुविनकायंरु.वर्ष१०० सियंरु.वर्ष

वेदवेदथममासतत
यनमसितसावर्ष
धनमसितसावर्ष

धनमसितसावर्ष १०० मृदुधननसितसावर्ष
धनमसितसावर्ष १०० मृदुधननसितसावर्ष

५१ तं यद्वा तत्सावर्वा वावात३ कृदसमाभूतनकृ३ त्वात३ यथ

यौ व. महा त स तरि ड व र्च १ ३०१ ५ २ ॥ ४ न रु य रु न सा व र्च ॥ वे ग्गा व ७३ कु व पु ६

सि. ७ तस्मिन् न कुरु सनि च वा न २३॥ १॥ ५ न. क. न. ल. श्री. व. न. ५ म. स. ल. य. श्री. स.

यावमिहावालया न साकल्या न नङ्गययज क्रतुविनेदया ववर्ष

५१ रुय रुत सा यय रुद रु सु स क मा धन न क स स नि ०४ वा न मह न

॥ दक्षत्रयज्ञाः शनद्वं न उदमे स वा कश्चात् विवक्षु न भनद्वं न दा गामि

शिवनिजमानेतायात्ररागादधइयात्रसुखनेछात्रनसिखरु३३३३थनरु

यस्तु तमावर्षे माग्नित्तककुञ्जमावाप्तिप्रदतिनक्तुमुत्तम

This image shows a close-up, horizontal view of a textured, aged surface, likely a book cover or endpaper. The material has a mottled appearance with various shades of brown, tan, and beige, indicating significant wear, discoloration, and possibly water damage or foxing over time. The texture is uneven, with some areas appearing smoother than others. There are faint, dark, horizontal lines or creases visible across the surface, suggesting it might be a page from an old book. The overall tone is warm and aged.

ता कृष्णार्ति दय॥ **न** क त ह वा त द य॥ **न** ता का क त या म रि द॥ **न** स व र्ध त र॥ **न**
 स कृ सि क वा त द न द य॥ **य** य त द स ज न मा त्रि व॥ **य** अ ग्नि रु य मा त्रि अ॥ **य** मृ दु
 क य॥ **य** ता रु द या अ॥ **य** ता द द या द॥ **य** य मृ ता र॥ **य** क त ह र व द न मा त्रि व॥
य स कृ सि क वा त द न द य॥ **उ** क त ह र व द या अ॥ **उ** न य द या अ॥ **उ** यो त या र य॥ **उ**
 स र व ता र॥ **ॐ ति कं दू य नि का स मा क**॥ **॥** का क व व न स नि ना व दू ळा या त ल ह
 ज्ञा त्रि क त ह उ या या य हि त का रु सि हि क त्रि ज्ञा य॥ इ क्क मे ज्ज र्ध न त र्ज्जी य अ य
॥ ति क क त ह वा त द स ज्ञा य॥ **यो** ॐ व द य त या कृ ना ज्ञा य॥ य ॐ म म त न का स
 म स मा न॥ कृ कृ कृ हि त का क॥ **ॐ ति का क त्रि का**॥ **॥** का क व व न स नि य ना यि त
 कृ या उ त ह या स म उ त या या कृ रा ण क त ॐ ॐ स र व हा य क त क हि ॐ क हि ता र

सुखहाय इ स त ॐ ह्य घ त य क न ज्ञा अ य त स त क त ह वा न ज्ञा अ य वो ल स क स
ता य हा य य य म त्रि त घ त ज्ञा अ य ह्य ह्य क हि त का क थ अ कि वा इ छि य त रा ख न
दा य थ त्रि स त न य त रा ख न ॥ ३ ॥ थ त्रि स रा ग न त क स रु त स य **वि त्रि का य त्रि का ॥**
उ न म ग्रा ग ही सा य ॥ ग्रा गु त र्था न म उ न मारु ग त क व्या णि नी स र्व का र्य य दा यि
नि स र्व नि मि ते य का सि नी उ क हि ह त ह त व त द हि हि त्रि हि त्रि मा त
णि स्वा हा ॥ ॥ १११ ॥ द त दा अ ॥ ह न या स द त ॥ वृ णु त्री था स म न न रा त य त अ ठ
नि स म सं रि ष्ट इ य स ग्रा म सं ज र्थ तारु व व हा त सं स रु दि न या हा त रा ह न
वि ता न ॥ ॥ ११२ ॥ द त दा अ वि ष व र्त्त त्रि या स द त मा हा दे व न म स्का त या दा अ
म व ता का र्य यि ने ना या त्र रा त या गु त्रि का र्य म त्रि अ स य स रा य नि ण क र य उ
त क ण्ड र्त्त रा कि न य त्रि क स य क न व् या थ क क व स य रा य नि उ थ थ म न वि

किं धत्वा यथाय कर्म या या यं कर्म या दानं ज्ञथ सिद्धि मङ्गल ॥ ११३ दत्त दाव वि
क्षितिना मया सदत्तः ध्यायतु तद्वद ज्ञथ तारु द य ॐ सुनायता य विष्णु म द हं सुर
यु मन मच्छि निजः ध्याय वि द्वा द्या ध स द्या त द य ॥ ११४ दत्त सा कथि क या सदत्त
ध्यायतु तद्गुण वि धि श्रु कल्या न श्रु रु मि तारु ज्ञथ तारु स व ध या य रु य थ ज्ञ
य द्वा द स न द य वृ द स न र व निजः स्व तान च्छ न तारु र य नि द थ थ न सि ध श्रु
गु र र क श्रु त थ व क त द वि य र ता या द थ या वि द्वा द त या ता हा ति स द्या त क त द या
व क त ता हा त स ति त द य ॥ ११५ दत्त सा या स ध्या या या सदत्त च्छ न ह या या गु
त्रि मान्द य थ व ॐ वृ सं ग म च्छी न ना या त च्छ न सं य ति या वि न ना या त च्छ न
स म सं ता य थ न तारु ता य व ध र न व य ति रु वि न द य थ स म सं वि ष्णु म द

दिनखनि ॥ ॥ १३३ दत्त सा इन्द्रिया सदत्त थयारु त ह्य मननरा तय त अष्टुति
कार्त्त सिद्ध सय स थ अ म्म अ यो निया क ध क क्क नि ॥ ॥ १३३ दत्त सा मथा या सदत्त
थयारु त क्क न क्क यो अर्थ ना स क्क य् स त्ता त स त्ता ग क्क य् यं थ क्क य् यान स स य क्क
य् थ कार्त्त क क्क न सिद्ध ॥ ॥ १३३ दत्त सा विरु य या सदत्त त्ता क्क म्म नी स य वा द द
सा क्क त्ता अ भयि त स इ क्क न स क्क य् य व त्ता यारु य् स क्क य् य क्क य् य क्क य् य क्क य् य क्क य् य क्क य् य
अष्टुति वरु त्ता य् त्रि मा त्ता यो ना स म्म द व या ति वा क्क न या अ थ थ न सिद्ध ॥
१३३ दत्त सा थयारु त क्क न मनन क्क रा त्ता अष्टुति सिद्ध स द ह म्म ना त क्क
न स त्रि त्ता स त्ता ग द स वा क्क त्रि त्ता ग्ग त्ता य् ३४ स्यं रु य् म्म ग त क्क य् क्क स क्क
न क्क रा त्ता स म्म स सिद्ध ॥ ॥ १३३ दत्त सा इन्द्रिया सदत्त थयारु त क्क न
थ न क्क न जा दिन द य् हि त मि क्क अ मन द य् क्क द्द व वि धि क ल्या न क्क य् थ अ

थिधिनायनायताय. दृढवाढवसुत्राय. कृत्तंदहम्मात्र. समस्तसिद्धिश्चयुध
याविन. कृत्तकत्रहृदयुध. अनिमिलिन. मोयानिमिलिन॥ ॥१३३॥ दत्रसा. थय
रुल. मितायानिमिलिन. यितनायात. थुत्ति. कार्यताय. कल्यानश्चयु. क्रीतार
थयाविद्र. स्वप्नस. ग्रामअदाधकंरयनिअ॥ ॥१३३॥ दत्रसा. वृषनायासदत्र. सम
स्तकार्य. सयतिताय. धनधानदयु. गुत्ति. कृत्तमननरात्रया. अत्ति. सम
स्तसिद्धिश्चयु. स्वप्नस. ददाधकंरयनिअ॥ ॥१३३॥ दत्रसा. इन्द्रियासदत्र. तअधदकार्ययिकननायात. द्रायायामि. वधूनाय
ताय. धनधान. थानत्रारु. दयु. सुखनास. थयाविद्र. स्वप्नस. सदायवर्तित्तायाधकं
रयनिअ. स. स्वानरयनिव॥ ॥१३३॥ दत्रसा. इन्द्रियासदत्र. कृत्तवृद्धिश्चयु. वृज

दिन. ॐ सुनायताय. क. दू. व. वि. द्वि. सम. लं. ताय. सु. प्र. स. सा. म. आदि. न. र. य. नि. अ. म.
त्रे. वा. स. उ. न. वि. त. रा. त. क. ठ. त्रि. सि. ह. या. य. या. त. क. त. द. वि. य. ज्ञा. या. वा. ॥ ३१३ ॥ द. त. रा.
इ. न्. रि. ना. म. वा. स. द. त. नि. ता. लं. म. न. न. रा. त. य. त. च्छ. न. नू. ग. त. न. न. न. ता. थ. कं. रा. त.
यि. त. आ. स. व. द. त. त. छि. तु. नि. द. यः. व. धू. य. नि. ना. य. त. य. स. त्रि. त. स. आ. त. ल.
श. य. य. वृ. त. ता. ॥ ३१४ ॥ व. य. ज्ञा. या. व. थ. थ. न. च. च. म. त. य. थ. या. यि. न. ता. रि. सु. श्री. स.
ग. इ. त. ॥ ३१५ ॥ ग. तु. क. वा. स. द. त. ॥ ३१६ ॥ द. व. अ. दि. के.
व. सु. त. ॥ ३१७ ॥ ने. स. र. य. ॥ ३१८ ॥ ॥ ३१९ ॥ ॥ ३२० ॥
व. थ. उ. ॥ ३२१ ॥ ॥ ३२२ ॥ ॥ ३२३ ॥ ॥ ३२४ ॥ ॥ ३२५ ॥ ॥ ३२६ ॥ ॥ ३२७ ॥ ॥ ३२८ ॥ ॥ ३२९ ॥ ॥ ३३० ॥
स. म. द. नि. छ. न. म. न. स. रा. त. वा. ॥ ३३१ ॥ ॥ ३३२ ॥ ॥ ३३३ ॥ ॥ ३३४ ॥ ॥ ३३५ ॥ ॥ ३३६ ॥ ॥ ३३७ ॥ ॥ ३३८ ॥ ॥ ३३९ ॥ ॥ ३४० ॥
त. य. क. ल्या. न. ता. य. थ. क. नू. ग. त. ने. द. व. ता. य. थ. क. रु. ति. छ. न. इ. य. श. य. क. ल्या. न. ह. अ.

[illegible]

॥ १३३ ॥ दत्त सा इ इ रि वा स द त. कु म न न वि त ना या त. अ णु ति का र्थ म रि व. म व या क अ
द णु ति. का र्थ वि न ना या अ. स द ह मे मा त. णु णु ति वि न ना या त. थ अ ० सु द य ता यू का या अ
थ. अन सं ष ति ता य. थ या वि ने. क स क त रु या दा त्र. अन न द व र दा त्वं रु य. ॥ १३४ ॥ दत्त सा
य द ता या स द त. ज्दि क ला मि या रा य ता य. क द व या. स्न न या. विं ता तै व त. व्य य म्मा त
क न या य त ल्का त न रू य. स व स. सा. म स. ज्था हा य. स क टि द ध क र्थ नि द. ॥ १३५ ॥ दत्त
दा त्र. वि र्थ भा या या स द त. थ या रु त. वि वा हा क र्थ वि न ना या त. सू या क अ न णु ति वि न ना या
त. थ वि न ना या दा णु ति ता य. न ना नं था न वृ द्धि रु य. थ या वि ने. मि थू न ज्थ नि या त. ॥
१३६ ॥ दत्त सा. ना का त द ता. क न वि न ना या दा णु ति. न ना नं ता य. स्न नं ता य. थ का र्थ या ज्थ न
त स वि ना स या य त्वं रु. स क न. ॥ १३७ ॥ दत्त सा. क म स या स द त. थ या रु त. क नं अन. व त
स. क न ता रु ति न र्थ दा. ॥ १३८ ॥ दत्त सा. व र ना या स द त. नू ण त म द्धि नि अ. क ल्या न रु अन

वानिअ. नग त स. जानंद शय. थया विद्र. छ रु सति त दय अ॥ **ॐ ति द्वि र्वा द स. सं यु ॥ ॥ ३११**

द त सा. ई इ रि वा स द त. आ न तारु. सं नि ता रु य. स म्द्र अ न. छ न मन इ य. छ न इ ४ स स म स
रु य. सु रु रु य. ॐ रु द य ता यू ता या व. या स त य य स द न. स म स सि द्वि रु य. स य स. य द ते

रव नि अ॥ **॥ ३१२** द त सा. ई इ रि वा स द त. मन त थ यू रु रु य. अ थ तारु रव नि व. क इ व वि द्वि
ओ ता रु रु य. थ थ छ न क म्म यो द न रु य. यू र्व अ द व. व्या थि स नि वा य यो क. द अ जा ता थ ना य अ

थ रु ती. क म्म ज्ञा तै रु या त अ रु ति क म्म स म स सि द्वि रु य. स य स. सा. स त. म रु हा व कि सि
जा दि न रव नि अ॥ **॥ ३१३** द त सा. अ थ वि ता स. मन वा द र. स रु व. का म त. वे त्रि भा व क स क म

इ. मा रु या. स वा म या क. स थ रु या अ वा न सा. छ न त्रि भा त. अ थ ना स रु य. त्रि भा त इ ४ स छ न
सि य थ या वि द्र. छ स क त रु रु य॥ **॥ ३१४** द त सा. स कि वा स द त. क ल्या न रु न स यू रु

रु य. मन न रु त य. थ स क न्य क म न थ म्म ता य. मन रु द द य क म त अ. त अ थ द का य
रु म्म अ थ या न न. छ न न ग न स. स वि रि रु य. थ स म स सि द्वि. स य स. रि रि रव नि अ॥

३३१ दत्त सा. कं. लु. त्रि. या. स. द. त. स. य. स. य. त. र. वा. त. द. द. व. त. या. ता. त. न. न. ध. व. न. न. जा. का. स. न. न.
का. स. त. र. य. नि. अ. थ. स. क. र्त्त. वि. ना. स. रु. य. या. त. का. त. न. रु. कि. न. म. रि. द. का. र्क. स. म. स. नि. त. थ. इ.
स. हि. य. भ. व. द. स. त. वि. वा. द. अ. न. मा. त्रि. व. ता. जा. या. क. त. र. रु. य. थ. न. त्रि. का. र्क. या. य. म. त. भ. व. ता.
का. र्क. या. अ. त. र. कि. त. र. ग. रु. य. ॥ ३३२ दत्त सा. य. इ. ना. वा. स. द. त. थ. या. रु. त. उ. य. ना. स. रु. त. थ. न.
ति. उ. व. ग. रु. त. थ. न. ति. भ. व. य. ध. मि. श. ना. य. ता. य. स. त्रि. त. नि. ता. ग. रु. य. भ. न. ता. य. क. न. वि. त. ना. या.
ग. रु. त्रि. ता. रु. मा. न. स. रु. त. न. ता. य. थ. या. वि. द्वा. क. न. या. त. र. य. मे. ध. न. नि. मी. यी. न. ॥ ३३३ दत्त सा.
वि. य. ती. या. स. द. त. स. र. ग. रु. क. न. ता. य. हा. रु. द. वा. द. अ. र्थ. क. न. ता. य. ॐ. रु. ना. य. ता. य. मा. न. क. न. य. नि.
व. भ. व. ता. वि. न. ना. या. य. क. न. म. त. थ. या. वि. द्वा. क. न. द. त. सा. सा. स. या. सा. य. त. ता. य. ॥ ३३४ दत्त सा.
स. रु. त. या. स. द. त. क. व. स. य. हि. क. न. ता. य. क. रु. त. सा. म. न. स. उ. व. ग. रु. य. म. न. न. रा. त. वा.
स. म. स. ता. य. ता. रि. स. क. त. रु. द. य. या. का. न. द. न. रु. ॥ ३३५ दत्त सा. इ. इ. रि. वा. स. द. त. क. न.

विनेनायादा कद्वृद्धिस्तयति याविता वप्रतरु धनं अकत्रदविप्रकाया व. थ. थनसम
स्तंताय. स्वप्रस. सायाइताय. सायापइहाकरयनिज॥ ॥३३३॥ दत्रसायोसकयासदत्रेक
नसादाकायामकिंअ. मयताइत्रसा. समस्तसिद्ध स्वप्रस. थअवधूयनित्रा॥ ॥३३३॥
दत्रसायध्यासदत्रथयारुत्र. मननरात्रया गुतिताय. स्वकनास. कसत्रकयूडरु
मप्रितिताय. समस्तताय॥ ॥३३३॥ दत्रसा. मात्रिनिवासदत्र. वेवहात्रस. यिनाक
नकय. समस्तइ४खरुय. संदहप्रमात्र. मिज. वधू. कमसमागमकय. मानेता
य. मननरात्रया समस्तसिद्धिइय॥ ॥३३३॥ दत्रसा. थयारुत्र. नृगत्रस. मयतावि
तनाइककसत्रकय. वादयायमेतवथअधिचित्त्यागिच्छनेताय॥ ॥३३३॥ दत्रसा
थयारुत्र. कयननयेति सर्वथाय. रुकगुतिवसुकक. इत्रसात्रिकायरु
य॥ ॥३३३॥ दत्रसा. नृगत्रसयतिरुनेवप्रितिविनादय. वृद्धिइय. कप्रतरु॥ ॥

३३ दत्त सा के सेतिया सदत्त समस्त कार्य छेन ॐ रुद्र य ॐ सुद य व व हा त सु मन अ द
 ॐ सुमि उ ना य ता य स म सु इ ४ य छेन रु य माने द य अ छेन मन ज्ञा स व त सा उ द मन
 न ता य ॥ **३३** **॥ ३११ ॥** दत्त सा अर्थ हानि सति त्रेयि वा उ ध र क
 यं ग त रु य इ गृ ति व सु के रु य द रु छि न म हि द त्रि य त न न भ न इ हा अ य क ल्या
 न इ अ न न नि वे व धू रु न अ य द ॥ **३१२** दत्त सा मि सा य नि मि लि न रि त य त स म सु म
 व या के अ द गृ ति च्छ कार्य या द वा द स छेन तारु म र व द रिं या स न च्छ रि द म र व द स त सा
 स म सु ता य ॥ **३१३** दत्त सा मन न रा त या कार्य म कि य छेन अर्थ ना य रा त य त व ध द था
 स रु स ता य य रा रु र व ना अ म त्र अ न रु य त अ ध नि वे स य स द छि न अ द ध के र य नि वे
 ॥ **३१४** दत्त सा दे व या ज्ञा क त न क त ना य सदत्त नि गृ ति था स यि रु व द त छि न रु य
 व धू व स र्गा ग रु य स ती त ज्ञा ग रु य मन न रा त य छेन स म सु न ल्का त र्णी रु य ध क ॥
३३१ दत्त सा छेन उ व या यि न ना यो त य ति ह्य र व नि वे म त्र अ द था स ॐ सु ना य ता य

श्रीनामिहिन नृकनया त समस्त सुर इयः थ अमाहि दविया सुत्र नया अ थ थ समस्त विघ्न
 दयः॥ ॥३३॥ द त दा व विरये ना या सु द त कन वि न ना या दा कार्य इ व क स कन म द य वा
 सुख म द यि अ मरि द थ ता त ता अ म व ता का र्थ या व ॥३३॥ इ य सु व स ग म दा य ष्ठा दा
 य र व नि व ना म य द त य ला ला या त न गु व रु कि इ या व क त द वि यू ता या व थ थ
 न सि ह्म इ य ॥ ॥३३॥ द त सा रु स ता रु द य स रु स क ल्य रु य न स य ति ता य क न
 व र्थ रु य ला रा त य ल अ स म स्त ता य त क्ति ता प्र ति या ज्ञे अ न य व र्थ इ यी य व र य न
 य ता य सु व स सि मा र य नि व ॥ ॥३३॥ द त सा क न न ग त स म हा उ द ग इ य त व थ द
 का र्थ म न न रा त य थ स क ल्य ॥३३॥ रु रु ल ता य द द य स ज न द या द सि थ य ॥ ॥३३॥
 द त सा ज्ञा य व धा न या सु द त थ व था य न म त द द व धू रु न ना य ता य ला का र्थ रा त
 य त अ स म स्त इ य रु ति इ क इ ॥ मा ति अ क ल्या न इ य म व द स उ न थ न ता य सु व स

सर्वत जायाथ क.त.अ.थ
द.छ.र.व.दा.थ.क.र.व.नि.व.
थ.या.क्र.सु.वि.न.द.या.अ.
र.य.अ.ता.हा.त.ह.तु.ति.स.
था.त.द.यु.अ.॥ ॥१३३॥

द.त.सा.रु.ति.मा.उ.इ.४.र.
इ.य.अ.क.ला.न.इ.यु.व.
स्का.ना.त.त.सु.अ.द.वि.त.
ना.या.त.गु.गु.त्रि.नि.मि.ति.
न.य.त.द.सु.अ.न.र.त.य.त.
अ.गु.त्रि.क.सु.त.न.अ.न.
रु.यु.॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः॥ तस्मिन् स जन्म काले इत्यर्थं धनुर्मास
वर्षे इत्यादि यथा द.ध.सं.सा.त.थ.गु.त्र.र.व.न.का.द.त.त.थ.थि.क्र.य.
त.म.गु.त्र.न.म.स्का.त.थ.गु.त्रि.यु.थि.स.स.म.स्का.या.त.छ.द.
य.का.द.त.त.थ.छ.स.र.व.न.का.द.म.त.था.दा.द.त.व.थ.थि.
थ.यु.यु.न.र.व.न.क.का.सि.ना.थ.न.द.य.क.त.॥ का.य.इ.

या.क्र.य.इ.या.व.सु.या.॥ द.द.व.त.या.ल.गु.यु.थ.न.या.स्वामि.क.
यु.थ.न.स.थ.न.सा.त.गु.या.स्वामि.वा.न.सा.वि.स.म.त्रा.सि.इ.त.
सा.का.यः स.म.त्रा.सि.इ.त.सा.क्र.यः मा.म.या.ना.म.उ.क.इ.य.न.क.
उ.मा.स.व.द.याः ति.थि.द.द.वा.त.व.द.थ.त.ल.या.र.व.म.द.व.र.व.न.

राग कायादः जादि ॥ ज्ञेय ॥ वृहस्पति ॥ अथ तत्कायः सख सखायः मा मया
नाम वा तन्निधिः ॥ अथ तस्मात् कृतं सनतन ॥ सनरागयाय नसि ॥ तनसाः कायः कि
तनसाः कायाः ॥ गुणु तव तसदनवतः ॥ उगुति मखादि नल्याखसायादः ॥ गर्ह सथ
दतथकथय ॥ दनववव तः ॥ उगुति तन्न सथव तन्न रुयादः ॥ अतन्न सः ॥ ग्रह
वाददयितः कायः ॥ ज्ञेयथाकाया ॥ द्विसखादः लघ्न सः ॥ गुरुग्रह यं वम सवानसा न
कायाः ॥ थिल तन्न रु तसाः ॥ कृष्णः वत तन्न रु तसाः ॥ ज्ञेयका ॥ विसमतासि सवृह
वानसाः कायः ॥ समतासि स ॥ ज्ञेयकाया ॥ यं वम ॥ तकाद सः वादः दतसाः कायः ॥ वि
समतासि स ॥ वा नसा ॥ वं वा नसा ॥ वं वा नसा ॥ कायः ॥ ज्ञेयका ॥ गर्ह सखनिदः ॥ ज्ञेयनिदः
ज्ञेयका ॥ खनिदः ॥ वं खनिदः काय रुयाः ॥ तन्न स ॥ वति व न रुयादः ॥ वानिदः ॥ यूत

पूर्व स्यात् न कालः तच्छि ह ग र सु द यि त् ॥ **यथ स्यात् भावायायुः स्य** ॥ इदं स
स. ७३ रु ह वा नि द. ज य स्या यः उ द य ल ग स. त ग्ना स्या मि क्क वा नि द. उ गु त्रि व
त रु यी द. अ क्क भा वा दि न स ग्ना तः दि न त ग्ना गु त्रि. त सि इ या द वा नि द. थ क्क भा
वा दि न स रु म्म इ या द. त ग्ना स्या मि क्क. यं व म स वा न स. ज्थ वा. यं व म या स्या
मि क्क. त ग्ना स वा नि द. थ क्क का य ग्ना त इ या द. ज्थ वा **वं** वा न सां. ७३ वा न सां. यं व म
स. उ का द स. वा नि द. द च्छि न द्वा द यि द. त रु स. यं व म स. **वं** ७३ वा न सा. द च्छि न
द्वा य त स ग्ना य त यि द. **का य या य रु स या तः** ल ग्ना स्या मि क्क. ज्थ म स वा नि द. ग्ना य
त ग्ना त. वा न. अ व ता त द यी द म स. ७३ **वं** यं व म स वा न सा. क्का य इ य. क त ग्ना ह वा
न सा. का य. उ का द स. ७३ **वं** वा न सा. का यः नि व स वा न सा का य. ७३ ना दि इ त स. का

य॥ **सा** नादि कृत सा **क्का** य॥ **जैः** **राः** यं व स खान सा यून ना स इ यी दा॥ त ग्न स यं य म स
या य ग्न ह यान सा ज्थ वा दे व स ज्ञान द त सां ज्ञा त इ त सां मृ तु इ यी दा॥ **वैः** कृत ग्न ह
स्य वा द वा नि द कृत ग्न ह यं य म स स्य नि द नि य स वा नि द ग र स द यी दा॥ **वैः** **जैः** स
वा नि द ज्थ वा **वैः** **जैः** त ज्थ वा नि द उ य स वा नि द दि व यून ना य त यि दा॥ **जैः** र
त ग्न स यं य म स प्र का द स द स म स **वैः** यान सा द न द व य नि स का य ज्ञा त इ यी दा॥
यं य म स **जैः** र ग्न ह यान सा य त व न का य द यी दा॥ **कृत** ग्न ह यान सा यून ना स इ यी दा॥
द्वि स र वा द त ग्न स **जैः** र ग्न ह यं य म स यान सा **नैः** का य द यी दा॥ धि त त ग्न इ त स **कृत**
द यी दा॥ य त ल ग्न इ त सा ज्थि क द यी॥ **यून** व ग्न ह ज्ञा ल द त द त्रि स न र व क का य इ यी दा॥
यून व ग्न ह न म र व का **क्का** य इ यी दा॥ **जैः** र ग्न ह न र व न सा म्वा यी दा॥ **कृत** ग्न ह न र व न सा

ना सुहृया व॥ **४६** काय॥ **४७** काय॥ **४८** काय॥ **४९** काय॥ **५०** काय॥ **५१** काय॥ **५२** काय॥ **५३** काय॥ **५४** काय॥ **५५** काय॥
५६ काय॥ **५७** काय॥ **५८** काय॥ **५९** काय॥ **६०** काय॥ **६१** काय॥ **६२** काय॥ **६३** काय॥ **६४** काय॥ **६५** काय॥
ना प्रतनिव मरुः यत्तु ग्रहयान साः प्राणा तका इ वः श्री ग्रहयान साः तका यया वः य
त्तु ग्रहयान यत्तु तका इ यया वः मिताया मिता ग्रहयान मिता तका इ यया वः **५६** ग्रह
यानिव जसु मसु **५७** ग्रहयानिव धि ततर्ह्या वः ध्य क्राणि न क्न तनिव॥ **५८** म
सु यत्तु ग्रहयानिव द्वि सुता वः क्न वः **५९** लिखयानिव यत्तु सु सु इ वः वः वः त
नाः **६०** रु ततर्ह्या तदा वः ध्य प्राणा मया य॥ प्राणा या ना मनः ताहि वाया वः सय मसु **६१** ग्रह
निव **६२** रु ग्रहयान साहि वः **६३** यय ग्रहयान साः मरि वः **६४** रु ततर्ह्या यया वः **६५** रु
ततर्ह्या यया वः क्न ततर्ह्या न इ तसां ज नर्ह्या इ यया वः हि या प्राण इ यया वः **६६** रु मसु

यं वा न सा जति सा तत्र ग इ यी द॥ ॐ ज रु म स वा न सा जति सा त इ यि द॥ ॐ जं वा न सा
ज रु म स महा इ र्व ल इ यि द॥ ॐ जं ज रु म स वा न सा ख या यि द इ यी द॥ यि रु यि द इ
यी द॥ कृ त गृ ह॥ ॐ ना य वा न सा स त्रि या त इ यी द॥ ॐ जं स क म स वा न सा ज न ग त्रा ग
जा य त यि द॥ ज रु म स॥ ॐ वा न सा क रु त्रा ग जा य त यि द॥ ज न ग इ यी द॥ व द्म स
ॐ वा न सा॥ ॐ द्म स॥ ॐ वा न सा वा त त्रा ग इ यी द॥ ता हा त तु त या त्रा जा दि न सा द
द॥ म्मा य था क॥ द य धि या य या त॥ पु रु स या द या य मा त वे द न वि वा त या य मा त्रा॥ वि का
न स॥ के ड स॥ ॐ गृ ह व त्रि य न इ यी द॥ वा नि द॥ ज थ वा उ द्म इ यी द॥ वा नि द॥ ज व स
त्रा गि म्मा यि द॥ स म त ग्न इ यी द॥ वा नि द॥ वं द स हि त त न॥ ॐ ना य वा न सा स त्रि या

न इयावमृदु इयाव। **युध** या कृत्तन वायि त्। मृदु स्यं॥ जूस्तमसः **रु** यानसाः जूक्तिर्ह
इयाव। या सवायि त्। मृदु स्य द॥ **म। त।** यानसाः **कु** इयाव। **क** यानसाः विकत
त्राणि इयाव॥ तन्न सल ग्नयानाथ क्रयानि त्। उका दम स. थल सगृहया वत द
याव वानि त्। त्राण दक. ताका तन तुनि त्रनि त्। त्राणि कासि यि त् मरय॥ कड स **रु**
यानसा मृदु स्य द॥ जूस्तमसः तन्न याधियति क्रयानि त्। यब्रमसः जूब्रमस **व** व
तव न इयाव वानि त्। त्राण ता वि यि त्। यब्रमसः वतुर्थ स. **व** **उ** यानि ज। हि व्
क स. **क** **र** गृह न स्यनि त्। थल तन्न वृ **उ** दय धय॥ यत्र गृह तन्न स. यब्रम
स वानि त्। **गुरु** गृह इयाव वानि त्। थ त्राणि म्ना यत्। ॥ **सि** **यि** **व** **म** **यि** **व** **स** **य** **थ** **ग**
तय ब्र स वि वा तया य वि स यन. जूब्रमसः **गृह** यि व **म** **म** **द** स वानि त्। थ **क** **ग** **ग**
या द स य अन त्रि रि म रि धय॥ तन्न स

ॐ ॐ ॐ ॥ तत्र **स्वामि** निवर्त्तमानसु ग्रहयावत्तमदसु निवर्त्तमानसु त्रिगुणायित
॥ तत्र **स्व** ग्रहयावत्तमदसु निवर्त्तमानसु ग्रहयावत्तमदसु निवर्त्तमानसु त्रिगुणायित
मसु **वन्दु** निवर्त्तमानसु त्रिगुणायित ॥ **गुरु** ग्रहयावत्तमदसु निवर्त्तमानसु त्रिगुणायित
वर्त्तमानसु त्रिगुणायित ॥ **नाथ** निवर्त्तमानसु त्रिगुणायित ॥ **वन्दु** निवर्त्तमानसु त्रिगुणायित
यावत्तमदसु निवर्त्तमानसु त्रिगुणायित ॥ **वन्दु** निवर्त्तमानसु त्रिगुणायित ॥ **वन्दु** निवर्त्तमानसु त्रिगुणायित
नसा सुकमसु **वन्दु** निवर्त्तमानसु त्रिगुणायित ॥ **वन्दु** निवर्त्तमानसु त्रिगुणायित ॥ **वन्दु** निवर्त्तमानसु त्रिगुणायित
थवा **वन्दु** निवर्त्तमानसु त्रिगुणायित ॥ **वन्दु** निवर्त्तमानसु त्रिगुणायित ॥ **वन्दु** निवर्त्तमानसु त्रिगुणायित
वर्त्तमानसु त्रिगुणायित ॥ **वन्दु** निवर्त्तमानसु त्रिगुणायित ॥ **वन्दु** निवर्त्तमानसु त्रिगुणायित
तत्र **स्व** निवर्त्तमानसु त्रिगुणायित ॥ **वन्दु** निवर्त्तमानसु त्रिगुणायित ॥ **वन्दु** निवर्त्तमानसु त्रिगुणायित

॥ न स तारु स गृह वे त द या व वा नि द थ तौ के त गि मृ तु इ यि व स क ठ इ त ॥ त गि
म्या यि द थ थ न स य त ग्न स **ॐ** र गृ ह वा नि द ज थ वा ल ग्न स **ॐ** व त द या व वा नि द थ व
त गी म्या या द ॥ ॥ **ज थ म्** **क्रि** **ता** **म** त ग्न या धि य ति क स क म स वा नी अ मि स व रु च्छि न
प्रा ति ग्य क गृ ह या त ग्न इ या व अ क र त त इ या व क त ग्न इ या व वा नि द थ थ
म हा प्रा ति इ य क त गृ ह त ग्न स वा न स त ग्न स मि क न त ग्न म र य नि द थ मि स या
र त त व स इ या द **क** **त** **गृ** **ह** **या** **क** **स** **ॐ** **र** **गृ** **ह** **न** **क** **वा** **नि** **द** **त** **ग्न** **स** **क** **त** **गृ** **ह** **वा** **नि** **द**
थ क मि स क त या का त ॥ द स म स **व** **वा** **न** **स** **थ** **मि** **स** **या** **सू** **त्रि** **नि** **व्या** **या** **त** **या** **या** **द** ॥ त ग्न स
स क म स **क** **त** **गृ** **ह** **वा** **न** **स** **स** **दा** **त** **ग** **ग** **इ** **या** **द** ॥ **ज** **ग** **त** **व** **ना** **य** **क** **त** **गृ** **ह** **वा** **न** **स** **ज** **थ** **वा**
थ न थ न स वा नि अ ज थ वा य य स्का न स वा नि अ ज थ वा त ग्न स **त** **वा** **नि** **अ** **थ** **मि** **स**

॥ न स तारु स गृह वे त द या व वा नि द थ तौ के त गि मृ तु इ यि व स क ठ इ त ॥ त गि
म्या यि द थ थ न स य त ग्न स **ॐ** र गृ ह वा नि द ज थ वा ल ग्न स **ॐ** व त द या व वा नि द थ व
त गी म्या या द ॥ ॥ **ज थ म्** **क्रि** **ता** **म** त ग्न या धि य ति क स क म स वा नी अ मि स व रु च्छि न
प्रा ति ग्य क गृ ह या त ग्न इ या व अ क र त त इ या व क त ग्न इ या व वा नि द थ थ
म हा प्रा ति इ य क त गृ ह त ग्न स वा न स त ग्न स मि क न त ग्न म र य नि द थ मि स या
र त त व स इ या द **क** **त** **गृ** **ह** **या** **क** **स** **ॐ** **र** **गृ** **ह** **न** **क** **वा** **नि** **द** **त** **ग्न** **स** **क** **त** **गृ** **ह** **वा** **नि** **द**
थ क मि स क त या का त ॥ द स म स **व** **वा** **न** **स** **थ** **मि** **स** **या** **सू** **त्रि** **नि** **व्या** **या** **त** **या** **या** **द** ॥ त ग्न स
स क म स **क** **त** **गृ** **ह** **वा** **न** **स** **स** **दा** **त** **ग** **ग** **इ** **या** **द** ॥ **ज** **ग** **त** **व** **ना** **य** **क** **त** **गृ** **ह** **वा** **न** **स** **ज** **थ** **वा**
थ न थ न स वा नि अ ज थ वा य य स्का न स वा नि अ ज थ वा त ग्न स **त** **वा** **नि** **अ** **थ** **मि** **स**

तन्मयाधिवर्ति क्र.सकमसुथानिःसिहादरुचिन्नशक्तिःव्यक्रुष्ट
यासात्रतासिपिवा॥ध॥सुताकन॥३॥थानसा॥मवयूत्रवत्रतनरुयावा॥सकमसु॥
थानसात्रंदाकयावः॥३॥थानसा॥सात्रता॥तादतदःयायग्रहनखनि॥३॥थानिद्वज्जमस
धमिसापिह॥त्रयपिवा॥३॥थाना॥य॥यायग्रहथानसा॥३॥त्रयस॥मखनिद्व॥ध॥थानद
द्व॥धमिसाकन॥यथसुदयकाव॥अत्रस॥मवयूत्रतनसय॥३॥त्रयग्रहस॥३॥रुष्ट
नयकाव॥अथानिद्व॥ध॥त्रस॥थानिद्व॥ताका॥तनरुनिदयिद्व॥यूत्रव॥३॥
मखनिद्व॥यं॥यमस॥थानिद्व॥गर्हस॥मवयूत्राव॥जात्रमात्रन॥जायत्रय॥३॥
मसखनसा॥यू॥हानि॥त्रयना॥क्र॥सकस॥थानिद्व॥ध॥क्रमिसा॥न॥सात्रता॥न॥था
३॥त्रयवनद॥निद्व॥ल॥ग्रस॥सकमस॥ग्रहया॥द्विदयीद्व॥अथवात्रयस॥न॥क्र
याव॥न॥क्र॥क्रादयाव॥उच॥त्रयशयाव॥सकमस॥ग्रहथानिद्व॥अथवाउच॥

यादवानिअउचक्ररातमाइयादम्मीतायाद॥११॥गससूरगुहयानिअ
सिस्तक्रमासातायाद॥**यः**वृवातकम्मी॥**वः**त्रयदनेताया॥**ॐ**तअधिकताया॥
सकमसयायगुहयानादवतुथस**ॐ**रगुहदयादवानिदथक्रया
रुसरददक्रमातायाद॥**जः**ककसाइय॥**वाः**वृइइय॥**सः**ताःमरिगुन
दयादकृतेगुहधितसवानसाथममतेनिदःकृतेगुहयतेसावानसा
भवममतेनिद॥**यः**वमस**सूरः**गुहवानसाथक्रमासायूगसहितनयुव
यिनतायाद॥**जः**समस**कृते**गुहवानसाविधवाइयिदजुक्रमस**सूरः**गुहवा
नसासातमायासुवायायूवा॥तग्रस**कृते**गुहवानसासातमाताततद॥सकम
स**सूरः**गुहवानसासातमाताततयूमरय॥**ॐ**रगुहतग्रसवानसाकामध

वत्थ. दद रुत ताताः **कृ** तृ ह वा न सा कृ तृ यं ता यि द्वा॥ **व** तृ तृ इ ल सा यि न वत्थ
प्र या द्वा॥ **ध** तृ तृ इ त सा कृ स थि त न वा नि द्वा॥ **हि** स रा व तृ तृ इ त सा रा त ता व
ने रु या यि द्वा॥ ॥ **तारु** वि वा त॥ द स म स. स क म स. ॐ रु ह वा न साः **वृ** तृ तृ स
आ. व रु थ स. रि द तारु द यि द्वा या य तृ ह वा न सा म इ॥ **वृ**. वा न सा ज्थ वा. ॐ रु ह
वा न सा. ध न था न स वा न सा. न ना नं द या द्वा॥ तृ तृ ना थ कृ तृ तृ स वा नि द्वा. ज्थ स तारु
द या द्वा॥ ज्थ वा स क म स वा नि द्वा. थ थ नं तारु द या द्वा॥ **वृ**. ॐ. **वृ**. तारु स र्थ नि द्वा. ता
रु द यि द्वा॥ ॐ तृ तृ स. यं व म स. प्र का द स. व रु थ स. थ न स. ॐ वा न सा. स य नि ता या
व॥ द्वा द स **आ**. य न ग ना ग न वा न ज्ना. तारु. ध न य तृ आ दि यं थ थ॥ ध न था न स रि का
स स. **वृ**. तृ तृ स वा नि द्वा. ध न द या द्वा॥ रि का न स. व रु थ स. ॐ रु ह वा न साः स म स

॥ वतुर्थस. शिकानस. यायग्रहवानसा. तारुविष्टरुयित्वा ॥ **॥ यतवकुवयि**
व. मवयावसय ॥ यतलुग्नरुयाववानित्वा. यतसु **य**वानित्वा. दयितवधकादधाय
थितलुग्नरुतसा. दयितवमस्य ॥ **स. वः** नस्यनसा. यतलुग्नस. थ. थनंदव. दददयि
वा ॥ **जा. व. वः** थतसकृत्कस्यानं. यतसवानसा. खलायमूमात्र. ननानं. दद. दददया
व ॥ द्विस्ररावतग्नरुयाव. द्विस्ररावस. **य**वानित्वा. दद. दद. ताकातननुनिद
याव ॥ **ॐ** रतग्नउदयरुयित्वा. **ॐ** रुग्नह. थनस्कानस. मवानीव. मीनतग्नरु
याववानित्वा. **ग. ह** वकुर्गुयाववानीव. थयायतदससुनिरुतग्नयित्वा ॥ विदस. स
गमनयाययात. **यत** तग्नसगमनयाय. थितस. **य**वानसा. ननानंकार्यसिधय
वा ॥ **य. ॐ** नायवानसा. ज्थवा. **व** नायवानसा. वतुर्थस. यायग्रहवानित्वा. तदधद

यदाथ कृयात् ॥ ७॥ वत कं न वत अ वत स **य** रात्रि थान सवान दथ थवान साः
उत्तु त वत स थान क त व यात् ॥ वल त व उ द य कृ या व या नि व थ स **७३ रु**
ह या नि व न वी स न ग ह या ल्या र य या दा व थु त्रि त ति न वि ण्ण म या त तु नि
ध का व थ य ॥ त व स व तु र्थ स ग ह या नि व ॥ ७॥ व ता ल उ ग ह या न अ व ता त वि
७॥ म या त तु नि ॥ त व स क त ग ह या न सा ॥ ७॥ व ता त ग ह या न सा व व ता त व त
७॥ स **७३** म थ ता त अ व ता त उ य तु न द यि व ॥ व व म स स क म स **७३** ह नि
व कृ या व या नि व **व** त व व त कृ या व या नि व ॥ ७॥ स म स ७॥ स म या स्वा मा क्क या नि
व यं दि क न थ थ क्का त ॥ **क** त ग ह त व स या नि व **७३ रु** ह न दि स्त्री या यी व हा
य मू मा तः रि कान क ड स या य ग ह या न सा इ र य कृ य ॥ त व म या स्वा मि क्क या न सा ७॥

[illegible]

[illegible]

मूः यूः उरुः यूरुः थ न ग ई स॥ आः हः यूः उरुः थ न ई र स॥ कः तः मूः मः
यूः उरुः जूः मूः थः मूः यूरुः थ न न क उ का थ इ का य॥ थ ति न का थ या न
म न क ज दि वा या वं थ थ रु त स्व य॥ या य ग ह स क ल्य द ग ई स वा न साः
न ना न वा ति अ॥ **या** य ग ह स क ल् इ न वा न सा ह र॥ **ग** ह स क ल् यि जि न वा न
सा म थ न वा ति अ॥ **स** र ग ह द थ स या य **ग** ह यि जि न वा न सा वि ग ह न ला य म
ति व॥ **या** य ग ह इ थ स द थ स वा न अ द थ स **ग** ह वा त सा म ला स न सि र्द॥
द थ स या य ग ह वा न व इ थ स **ग** ह व न सा म थ न वा ति अ॥ **स** र ग ह द
थ स वा सा **या** य ग ह यि न वा न सा म ला स न ग क म ति थ॥ **या** य ग ह स क ल्य द
स वा न सा य त खा त थ या॥ **या** य ग ह यि व न वा न सा म लु इ य व॥ **द** थ स या

ह काठधियति **सुर** ग्रह रु या अ. यि अ ने वा न सा. रु ल या दान तु नि क्रिया अ
॥ **सुर** ग्रह द थ स. या य ग्रह. स क त्रं यि न वा न सा. द व न वा त क था क. **या य** ग्रहं. ७३ रु
ग्रहं. द थ स. या न सा. ला य रु का द यि अ म सि रु. ॥ **सुर** ग्रह यि न. द थ स. या य ग्रह. म
सि रु. ॥ **या य** ग्रह द थ स. यि थ स. ७३ रु ग्रह. द थ स. या नि द. ला य रु क द या अ म वा
त. ॥ **ता ता** क ता त. ग रु स रु त. रं ग. ॥ **व. ७३. व. व.** यि हा व न. रं ग. ॥ **व. स. य** र वा त स. ज य था
म स. अ न सा. रं ग म रु व. ॥ **स. ज. ता इ** हा व न रं ग. ॥ **व. द** कि न रं ग. ॥ **७३. व** क या य छि म
रं ग. ॥ **व. व** क या. उ र रं ग. ॥ **व. व** क या. य र रं ग. ॥ **ग न** या य ग्रह व क रु या अ. यि हा अ
न. ज न रं ग. ॥ **ग न** सुर ग्रह व क रु त. यि हा त. का थ ना य क वि स्र अ नि अ. ॥ **ग न** या य ग्र
ह व क रु या व. इ हा त. ज न ज न रु यि व. ॥ **ग न. व. स.** थ दि हा स. ज न द नि. ॥ थ न न ज

त्रइहायीव॥**अक**सुगुहवानवक्रइतअकनरुं॥**अ.व.७३:**ननगुहजायिनकउ
सशगसंरुं॥**व्यसु**तार्त्तेन**ता.क:**वदुर्थइअगुतिनःकाथस.तंरवच्चिया॥व्यगुज
तग्नन.सकर्म**अ.**इत**व**र्यत्रमिवाय॥**गन**वायगुह**व**उनकउए.हतातकय॥
यित्तिवि.तिस्त्रवक्रसस्य.काथनरिस्त्रस.मृ.उःसकसुताकायक्र.मंथसुता
तविशगदिनवाय.दिनकाय.हाता**व.७३:**थइत.तग्नवतस.काय.वउकतनर्य
अप्रमानगनयातक.वउमाकततमइ॥**ॐ**निकाथवक्र॥ ॥
वत.तग्नइतसा.७३रुगुहनर्यनिअ.दसासुवदाथायनववसिय॥**दिसु**रावत
गइतसा.वादाथायइकताततंअत॥**सि**ततग्नइतसा.अदाथायसवाद॥**व**त
यादृदिइतसा.असुर॥**७३**रुगुहयादृदिइतसा.७३रु॥**स**रुयानांवाययानां

इतत्रासिध १२:१:१०:११:१२:१३:१४:

॥२॥ १३ ॥ ग्रह व ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥